क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 79, शनिवार, 13 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

ममता सरकार ने राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर को बंगाल में उतरने की नहीं दी इजाजत

नेशनल डेस्क। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के बाद अब राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर को भी पश्चिम बंगाल में उतरने की इजाजत नही दी गई। कांग्रेस अध्यक्ष 14 अप्रैल को सिलीगुड़ी में एक रैली को संबोधित करने वाले थे लेकिन वहां की पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए हेलीकॉप्टर लैंडिंग को मंजूरी नहीं दी। सिलीगुड़ी पुलिस के मुताबिक मैदान को चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों और सीआरपीएफ कर्मियों के वाहनों के लिए पार्किंग के तौर पर लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे में वहां हेलिकॉप्टर की लैंडिंग की मंजूरी देना संभव नही है। माना जा रहा है कि बंगाल सरकार की इजाजत न मिलने के कारण कांग्रेस यह रैली रद्द कर सकती है। कांग्रेस नेता इसे राजनीतिक चाल बता रहे है। दरअसल हाल ही में राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर ऐतराज जताया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा था कि केंद्र में मंत्री पद पाने के लिए कभी न कभी बीजेपी से समझौता किया था और अब ममता बनर्जी पूछ रही हैं कि हम बीजेपी के खिलाफ सच में नहीं लड़ रहे हैं। बता दें कि इससे पहले इससे पहले जनवरी में भी झारग्राम के जिला मजिस्ट्रेट ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अमित शाह के हेलीकॉप्टर को कार्यक्रम स्थल के पास उतरने की परमिशन देने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद अमित शाह को अपनी यह रैली रद्द करनी पड़ी थी।

समाज में बढ़ रही है असहिष्णुता- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि कला का उद्देश्य ''प्रश्न करना और चिढ़ाना'' होता है लेकिन समाज में असहिष्णुता बढ़ रही है और संगठित समूह अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार पर गंभीर खतरा पैदा करते हैं। शीर्ष अदालत ने ये टिप्पणियां एक फैसले में कीं जिसमें पश्चिम बंगाल में व्यंग्यात्मक फिल्म 'भविष्योत्तर भूत' के प्रदर्शन को अनुमति नहीं देने को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अदालत ने कहा कि अधिकारियों ने अपनी शक्तियों का स्पष्ट रूप से दुरुपयोग किया। अदालत ने रेखांकित किया कि राज्य लोगों को ''आजादी नहीं देता'' बल्कि वे (अधिकार) ''हमारे अस्तित्व से'' जुड़े हुए हैं। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता की पीठ ने कहा, ''समकालीन घटनाओं से पता चलता है कि असहिष्णुता बढ़ रही है, समाज में अन्य लोगों के अपना नजरिया स्वतंत्र रूप से रखने तथा इन्हें प्रिंट, सिनेमाघर या सेल्युलॉयड मीडिया में पेश करने के अधिकार को स्वीकार नहीं करना असहिष्णुता है। संगठित समूह अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के अस्तित्व पर गंभीर खतरा पैदा करते हैं।''पीठ ने कहा कि कला का असली उद्देश्य प्रश्न करना तथा चिढ़ाना है।

कर्नाटक में गरजे मोदी, कहा- सेना का अपमान करने वालों डूब मरो

नेशनल डेस्कन (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दक्षिणी राज्यों के दौरे पर हैं। उन्होंने कर्नाटक के गंगावती में रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सैनिकों का अपमान कर रही है, देश का अपमान करने वालों को डूब मर जाना चाहिए। पीएम ने कांग्रेस...जदएस को 20 प्रतिशत कमीशन सरकार करार दिया। पीएम ने कहा कि जो सैनिक देश की सेवा के लिए जाते हैं, देश की रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरते हैं। रेगिस्तान में 50 डिग्री तापमान में जो जलते सुरज को झेलते हैं, महीनों तक समुद्र में तिरंगा लेकर दुश्मन को भटकने तक नहीं देते उनके लिए ऐसी सोच...देश की सेना का अपमान करने वालों, डूब मरो। मोदी ने कांग्रेस...जदएस गठबंधन पर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर हमला बोलते हुए कहा कि उसका एकमात्र मिशन कमीशन है। उन्होंने सिद्धरमैया सरकार को 10 प्रतिशत कमीशन सरकार बताते हुए कहा कि अब कांग्रेस और जदएस के हाथ मिला लेने से यह 20 प्रतिशत कमीशन सरकार बन गई है। पीएम ने भाजपा विरोधी कई पार्टियों यों पर वंशवादी राजनीति को लेकर हमला बोलते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव देश पहले बनाम परिवार पहले के बारे में है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार की वापसी के पक्ष में पूरे देश में एक लहर है। वीरववार को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में विपक्षी पार्टियांयां संभल नहीं पाएंगी। पीएम ने नारा लगाया, ।

''फिर एक बार...'' भीड़ ने कहा ''मोदी सरकार। वह अपने भाषण के अंत में कन्नड़ में बोले जिस पर भीड़ ने तालियां बजायी। उन्होंने समाज के सभी वर्गों की प्रशंसा करते हुए उन्हें चौकीदार कहने के लिए कहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को जम्मू में करेंगे जनसभा

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह के पक्ष में एक रैली को संबोधित करेंगे। जितेन्द्र सिंह उधमपुर लोकसभा सीट को बरकरार रखने के लिए मैदान में हैं जहां दूसरे चरण में 18 अप्रैल को मतदान होगा। सिंह का सीधा मुकाबला कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह से है जो कि जम्मू कश्मीर रियासत के अंतिम शासक महाराजा हरी सिंह के पोते और कांग्रेस नेता कर्ण सिंह के बेटे हैं। राज्य के भाजपा प्रमुख रविन्द्र रैना ने बताया , ''मोदी जी रविवार की सुबह कठुआ में एक विशाल जन रैली को संबोधित करेंगे।'' उन्होंने साथ ही कहा कि कठुआ, हरीनगर , बाणी, बिलावर, बसोहली और रामनगर से रैली में दो लाख लोगों के जुटने की उम्मीद है। पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए मोदी की राज्य की यह दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले उन्होंने 28 मार्च को अखनूर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया था। जितेन्द्र सिंह और विक्रमादित्य के अलावा दस और उम्मीदवार इस सीट से चुनाव मैदान में हैं। इनमें डोगरा स्वाभिमान संगठन के संस्थापक और पूर्व भाजपा मंत्री लाल सिंह चौधरी भी शामिल हैं। इस सीट पर महबूबा मुफ्ती की पीडीपी ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है।

राहुल गांधी का ऐलान- नहीं चलेगा नागपुर शासन, तमिलनाडु के सीएम बनेंगे स्टालिन

थेनी (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कभी भी तमिलनाडु की जनता को नागपुर से शासित नहीं होने देंगे। उन्होंने ऐलान किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो तमिलनाडु के अगले सीएम एमके स्टालिन होंगे। तमिलनाडु में शुक्रवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने अपने 15 दोस्तों के लिए सरकार चलाई है और वे आश्चर्यचकित हैं कि बैंक का भारी कर्ज चुकाने में नाकाम रहे विजय माल्या जैसे लोग अभी तक जेल में नहीं हैं। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे लोग बैंकों से कर्जा लेने के बाद उसे लौटने में असफल रहे और देश छोड़कर फ़रार हो गए। उन्होंने कहा कि कोई एक भी जेल नहीं गया। राहुल ने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो कोई किसान इसलिए जेल में नहीं डाला जाएगा कि उसने कर्जा नहीं चुकाया। यह ठीक नहीं है कि धनी लोग तो जेल न जाएं लेकिन उसी अपराध के लिए किसान जेल चला जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने नीरव मोदी को 35 हजार करोड़ रुपए, मेहुल चोकसी को 35 हजार करोड़ रुपए और विजय माल्या को 10 हजार करोड़ रुपए दिए। उन्होंने कहा कि बीते पांच साल में मोदी ने 15 लोगों के लिए सरकार चलाई है और आप उनके नाम जानते हैं। उन्होंने यहां आयोजित एक चुनावी रैली में कहा कि ये हैं अनिल अंबानी, मेहुल चोकसी, नीरव मोदी और ये मोदी के मित्र हैं। पार्टी की न्यूनतम आय योजना (न्याय) का जिक्र करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि न्याय' लोगों की खरीद क्षमता में इजाफा करेगा और प्रतिफल के रूप में तमिलनाडु में कारखाने चलेंगे और पूरी अर्थव्यवस्था आगे जाएगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के कपड़ा और रेशम केंद्र तिरूपुर और कांचीपुरम में ''दोबारा जान आ जायेगी'' और इससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी और सहयोगी दल कभी भी इस बात की अनुमति नहीं देगें ।

बीजद केंद्र में सरकार गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा : पटनायक

भुवनेश्वर। सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बृहस्पतिवार को राज्य के लोगों से अपील की कि क्षेत्रीय दल को मजबूत बनाएं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनावों के बाद बीजद केंद्र में सरकार गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पटनायक ने कंधमाल, बाउध और सोनेपुर जिलों में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए कहा, ''चुनावों के बाद केंद्र में सरकार बनाने के लिए किसी भी राष्ट्रीय दल को बहुमत नहीं मिलेगा। इसलिए केंद्र में आपकी बीजद को सरकार गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।'' पटनायक ने कहा, ''आपदा के समय भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने ओडिशा का दौरा नहीं किया लेकिन चुनाव के वक्त वे राज्य के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।'' बीजद अध्यक्ष ने भाजपा नीत रागज सरकार पर ओडिशा के प्रति ''उदासीनता'' दिखाने के आरोप लगाए।

योगी- मायावती के भाषण पर ईसी सख्त, नोटिस देकर मांगा जवाब

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा प्रमुख मायावती को चुनाव अभियान के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। उपचुनाव आयुक्त संदीप सक्सेना ने बृहस्पतिवार को बताया कि योगी को मौजूदा चुनाव प्रक्रिया के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन का दूसरा नोटिस जारी किया गया है। उनके खिलाफ मेरठ में एक रैली के दौरान ''अली'' और ''बजरंग अली'' वाली टिप्पणी करने को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार आयोग ने माना कि प्रथम दृष्टया योगी ने चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया है। आयोग ने उनसे शुक्रवार की शाम तक जवाब देने को कहा है। योगी ने लोकसभा चुनावों की तुलना इस्लाम में अहम शख्सियत 'अली' और हिंदू देवता 'बजरंगबली' के बीच मुकाबले से की थी। भाजपा नेता ने कहा था, ''अगर कांग्रेस, सपा, बसपा को अली पर विश्वास है तो हमें भी बजरंग बली पर विश्वास है।भाषण की तरफ इशारा करते हुए यह टिप्पणी की थी जिसमें मायावती ने मुस्लिमों से सपा-बसपा गठबंधन को वोट देने की अपील की थी। इस बीच आयोग ने मायावती को देवबंद में एक रैली के दौरान मुस्लिम मतदाताओं को कांग्रेस के बजाय सपा बसपा रालोद गठबंधन को वोट देने की अपील की शिकायत पर भी नोटिस जारी किया है।

इलेक्शन डायरी: राजीव गांधी के दौर में शुरू हुई कम्प्यूटर क्रांति

इलेक्शन डेस्क (एजेंसी)।

देश का हर छोटे से बड़ा काम कम्प्यूटर पर निर्भर है और भारत के आई.टी. इंजीनियर्स आज दुनिया भर में डंका बजा रहे हैं लेकिन आजादी के कई साल बाद भी भारत इस मामले में कई देशों के मुकाबले बहुत पिछड़ा हुआ था। देश 1947 में आजाद हुआ और 1978 तक देश में महज 1,000 कम्प्यूटर थे और इसका कारण इन पर लगने वाला टैक्स था। इंदिरा गांधी के निधन के बाद जब राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने कम्प्यूटर की अहमियत को समझा और देश में कम्प्यूटर के इस्तेमाल को प्रोत्साहन देने के लिए कई बड़े काम किए। राजीव गांधी का बड़ा फैसला पूरी तरह से असैंबल किए गए कम्प्यूटर के आयात को मंजूरी देने का था। आयात को मंजूरी देने के साथ-साथ सरकार ने कम्प्यूटर हार्डवेयर के आयात पर लगने वाले आयात शुल्क में भारी कमी की। इसका असर यह हुआ कि देश में अचानक कम्प्यूटर का इस्तेमाल बढ़ा और 1990 तक देश में कम्प्यूटरों की संख्या बढ़ कर 80 हजार पहुंच गई। देश में आई.टी. कंपनियों को जब कम्प्यूटर आयात की मंजूरी मिली तो कंपनियों ने सॉफ्टवेयर का निर्माण करना शुरू कर दिया और 1990 तक भारत का सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट 128 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। इस बीच देश के नेताओं ने भी इसकी अहमियत समझी और रेलवे में टिकटों की रिजर्वेशन में कम्प्यूटर का इस्तेमाल शुरू किया गया जिससे धांधली रुकने के साथ-साथ लोगों को सुविधा भी मिलने लगी।

कृष्णा तीरथ की घर वापसी, भाजपा छोड़ कांग्रेस में हुईं शामिल

नेशनल डेस्क। पूर्व केंद्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ ने शुक्रवार को घर वापसी की। उन्होंने भाजपा छोड़कर फिर से कांग्रेस पार्टी का हाथ थाम लिया है। वह 2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई थीं। बताया जा रहा है कि भाजपा से मोहभंग होने के बाद पार्टी छोड़ दी है। कृष्णा तीरथ मनमोहन सरकार में बाल विकास मंत्री रह चुकी हैं। उन्हें साल 2014 में कांग्रेस ने दिल्ली की उत्तर-पश्चिम सीट से लोकसभा उम्मीदवार बनाया था। लेकिन वह भाजपा उम्मीदवार उदित राज से चुनाव हार गईं थीं। इसके बाद 2015 में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने उन्हें पार्टी ज्वॉइन करवाई थी। कृष्णा तीरथ 19 जनवरी 2015 को भाजपा में शामिल हुईं थीं। कृष्णा तीरथ को राजनीति का लंबा अनुभव है। कृष्णा तीरथ को राजनीति का लंबा अनुभव है। वह साल 1984 से लेकर 2004 तक कांग्रेस की विधायक रहीं। 1998 में कृष्णा तीरथ ने शीला दीक्षित सरकार में समाज कल्याण, एससी और एसटी और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली। 2003 में कृष्णा तीरथ दिल्ली सरकार में डिप्टी स्पीकर बनीं।

चांदनी चौक से सिब्बल और नई दिल्ली से माकन उम्मीदवार, ईस्ट से शीला के नाम पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस की केंद्रीय निर्वाचन समिति (सीईसी) ने गुरुवार शाम को दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में चार सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर विचार हुआ है और बाकि तीन सीटों पर अभी पेच फंसा हुआ है। दिल्ली में संभावित उम्मीदवारों के नामों पर विचार के लिए सीईसी की बैठक से पहले प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शीला दीक्षित के आवास पर पार्टी नेताओं की बैठक भी हुई। आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावना लगभग खत्म होने की स्थिति में कांग्रेस दिल्ली में जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करेगी। जिन चार सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा हुई वो हैं-नई दिल्ली से पूर्व सांसद अजय माकन, चांदनी चौक से कपिल सिब्बल, नॉर्थ ईस्ट से जय प्रकाश अग्रवाल और नॉर्थ वेस्ट की सीट पर दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान के नाम पर मुहर लगी है। वहीं शीला दीक्षित ने जयप्रकाश अग्रवाल के नाम का विरोध किया लेकिन लंबी चर्चा के बाद समिति ने उनके नाम को हरी झंडी दी। दरअसल शीला दीक्षित ने पिछले दिनों पार्टी को इन चार सीटों से अपने पंसदीदा उम्मीदवारों के नाम भेजे थे लेकिन उनमें से किसी को भी पार्टी ने बतौर उम्मीदवार सही नहीं माना। पार्टी ऐसे उम्मीदवारों के चेहरे आगे लाना चाहती थी जिन्हें जीत हासिल हो सके। अन्य तीन सीटों पर अभी उम्मीदवारों के नाम फाइनल नहीं हुए हैं लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि शीला दीक्षित ईस्ट दिल्ली से चुनाव लड़ सकती हैं। दरअसल ईस्ट दिल्ली से संदीप दीक्षित ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है ।

दिग्विजय के खिलाफ चुनावी रण में साध्वी प्रज्ञा! बोलीं- कि ग बनने को हैं तैयार

भोपाल (एजेंसी)।

एमपी में लोकसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। लेकिन कांग्रेस, बीजेपी अपनी कुछ सीटों पर माथापच्ची में लगे हैं। बात करें भोपाल सीट की तो ये बीजेपी का गढ़ है, लेकिन कांग्रेस ने इस बार अपने दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह को उतार कर मुकाबला दिलचस्प कर दिया है। बीजेपी को अब ये सुरक्षित सीट, दिग्विजय के उतरते ही असुरक्षित नजर आ रही है। वहीं दिग्गी राजा को चुनौती देने के लिए मालेगांव विस्फोट कांड की वजह से चर्चित साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर का नाम बीजेपी की तरफ से तेजी से उछाला जा रहा है। बुधवार को दिल्ली में आरएसएस की बैठक में प्रज्ञा के नाम पर चर्चा फिर से तेज हो गई। हालांकि साध्वी ने चुनाव लड़ने को लेकर कुछ सपष्ट तौर पर नहीं कहा, लेकिन इशारों में ये जता दिया कि यदि संगठन का आदेश होगा तो वह धर्मयुद्ध लड़ने को तैयार हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिस दिग्विजय सिंह ने हिंदू धर्म को पूरे विश्व में बदनाम किया, भगवा ध्वज को आतंकवाद का रूप बताया, अध्यात्म और त्यागमय जीवन पर आक्षेप किए और राष्ट्रधर्म को कलंकित किया; उसके खिलाफ यदि मुझे चुनाव लड़ना पड़े तो पीछे नहीं हटूंगी। साध्वी ने आगे कहा कि वे बचपन से राजनीति करती आ रही हैं।

अभी तक वे किंगमेकर की भूमिका में थी, लेकिन अब यदि संगठन के आदेश पर कि ग बनना पड़े तो वे इसके लिए तैयार हैं। वे एक राष्ट्रभक्त हैं और राष्ट्र के विरुद्ध बात करने वालों के लिए,पापी और दुरात्मा को समाप्त करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। आज दिग्विजय सहित भले ही अपने आसपास साधु-संन्यासियों की भीड़ लगाए हुए हैं, लेकिन वह असली साधु संत हो ही नहीं सकते। साध्वी प्रज्ञा, मध्य प्रदेश के एक मध्यमवर्गीय परिवार से हैं। परिवारिक पृष्ठभूमि के चलते वे संघ व विहिप से जुड़ी और फिर बाद में संन्यास ले लिया। 2008 में हुए मालेगांव बम विस्फोट में उन्हें शक के आधार पर गिरफ्तार किया गया गया।

2017 में बिना किसी सबूत उन्हें जमानत दी गई। मालेगांव ब्लास्ट मामले में प्रज्ञा सिंह ठाकुर को 23 अक्टूबर 2008 को गिरफ्तार किया था। 25 अप्रैल 2017 को उन्हें जमानत पर रिहा किया गया।

संपादकीय

पहले चरण का उत्साह

पहले चरण में 91 सीटों के लिए हुआ मतदान आम चुनाव के अच्छे आगाज की एक महत्वपूर्ण कहानी कह रहा है। इन 91 सीटों का भूगोल बहुत विस्तृत है और लगभग देश के हर कोने में कहीं न कहीं मतदान हुआ- कश्मीर से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड तक और दूसरी तरफ बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ से लेकर दक्षिण भारत में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना व उनके पड़ोसी ओडिशा ही नहीं, उसके आगे महाराष्ट्र तक। इसमें कुछ वे इलाके भी हैं, जहां पर हाल-फिलहाल तक बर्फबारी हुई है और वे भी, जहां भीषण गरमी दस्तक दे चुकी है। ये जगहें भले एक-दूसरे से बहुत दूर हों, लेकिन जो खबरें आ रही हैं, वे यही बताती हैं कि हर जगह लोगों में अपने भविष्य का फैसला करने का उत्साह तकरीबन एक समान था। कश्मीर के आतंकवाद ग्रस्त क्षेत्रों में मतदान केंद्रों के बाहर लगी लंबी लाइनें बताती हैं कि आम जनता किसके साथ खड़ी है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में इसके साथ ही विधानसभा चुनाव भी था, इसलिए वहां मतदाताओं ने मतदान के दोहरे अवसर का फायदा उठाया। शाम तक कायम उत्साह से यही लग रहा है कि कुछ जगह तो मतदान का पिछला रिकॉर्ड भी टूटेगा। यह तब है, जब इन क्षेत्रों का दौरा करने गए पत्रकार यह कह रहे हैं कि फिलहाल किसी की हवा या आंधी नहीं चल रही है। ऐसी तमाम खबरों के बाद मतदान के दिन दिखा उत्साह दरअसल मतदाताओं की परिपक्वता को ही दर्शाता है कि वे अपने फैसले की किसी को भनक नहीं लगने देते। पहले चरण के मतदान का यह भूगोल राजनीतिक दृष्टि से भी काफी महत्वपूर्ण है। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और पूर्वोत्तर भारत का इलाका, जिसने पिछली बार सत्ता परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हम नहीं जानते कि इस बार वहां के मतदाताओं ने क्या फैसला दिया है, पर यह तय है कि उनका फैसला इस बार भी अंतिम नतीजों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है। इस बीच कई चीजें बदली भी हैं। मसलन, आंध्र प्रदेश में पिछली बार चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी एनडीए का हिस्सा थी और लोकसभा व विधानसभा, दोनों के चुनाव वे साथ-साथ लड़ रही थीं। इस बार तेलुगू देशम गठबंधन से बाहर हो चुकी है, पर इस बार इसका कितना नुकसान उसे और एनडीए को होगा, अभी कह पाना मुश्किल है। कांग्रेस या जगनमोहन रेड्डी की पार्टी इसका कितना फायदा उठा पाएगी, यह भी स्पष्ट नहीं है। तकरीबन ऐसी ही स्थिति ओडिशा की भी है। वहां भी इस बार मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का बीजू जनता दल और एडीए ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं, कांग्रेस को इसका कितना फायदा मिलेगा, इसे जानने के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना होगा। बेशक, यह थोड़ा इंतजार भी इस बार लोगों को लंबा लग सकता है। इन 91 सीटों के लिए लोगों ने 11 अप्रैल को वोट डाले हैं, पर नतीजों का पता 23 मई को ही लग पाएगा, यानी सभी चरणों का मतदान खत्म होने के भी कुछ दिन बाद। यानी जिन लोगों ने पहले चरण में वोट डाले हैं या जिन लोगों के खाते में ये वोट गए हैं, उन्हें दम साधकर सवा महीने से भी ज्यादा का इंतजार करना होगा। और यह भी तय है कि इस लंबे इंतजार का फल सभी के लिए मीठा नहीं होगा। कम से कम चुनाव हारने वालों के लिए तो नहीं ही होगा।

बदलाव की ऊर्जा से नया मालदीव

पुष्परंजन

'खुदा जब देता है तो छप्पर फाड़ कर देता है।' मालदीव में गुजिश्ता शनिवार को 87 सदस्यीय संसद 'मजलिस' के चुनाव में एमडीपी को 65 सीटों का मिलना इस पुरानी कहावत को चरितार्थ करता है। मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने ख्वाब में भी नहीं सोचा था कि दो-तिहाई बहुमत से उसे सरकार बनाने का अवसर मिलेगा। आमतौर पर इस्लामी पार्टियां हरे रंग का इस्तेमाल करती हैं, मगर मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी ने सुर्ख पीले रंग के झंडे का इस्तेमाल कर परंपरा को बदला है। 2009 और 2014 के आम चुनावों में मोहम्मद नाशीद की पार्टी 'एमडीपी' को 26 सीटें मिली थीं। दोनों टर्म में 'एमडीपी' को गठबंधन के सहारे सरकार चलानी पड़ी थी। मगर इस बार के चुनाव में नाशीद लहर दिखी है। पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नाशीद पांच महीने के निर्वासन के बाद मालदीव लौटे और पूरे परिदृश्य के लिए गेम चेंजर साबित हुए हैं। इस संसदीय चुनाव में 'एमडीपी' की प्रतिद्वंद्वी जम्हूरी पार्टी और सत्ता से बाहर हो चुके यामीन की प्रोग्रेसिव पार्टी को पांच-पांच सीटें मिली हैं। बाकी 12 सीटें दो छोटी पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों के हिस्से आई हैं। इन बारह में से सात यामीन विरोधी बताये गये हैं। कोच्ची से 700 किलोमीटर दूर हॉलीडे पैराडाइज़ के नाम से विख्यात मालदीव में चीन की नीतियां इस तरह परास्त होंगी, इसका अंदाज़ा शायद ही किसी ने लगाया होगा। यह ध्यान में रखने लायक बात है कि दक्षिण एशिया में नेपाल और पाकिस्तान के बाद मालदीव तीसरा देश है जहां लोगों ने मतपत्र के ज़रिये वोट डाले। इन देशों ने इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को बिल्कुल स्वीकार नहीं किया। इस संसदीय चुनाव से पहले, मालदीव में सितंबर 2018 में राष्ट्रपति चुनाव हुआ था, जिसमें चीन की छत्रछाया में चैन की सांस लेने वाले अब्दुल्ला यामीन चुनाव हार गये थे। लगभग साढ़े चार लाख की आबादी वाले मालदीव में 23 सितंबर 2018 को राष्ट्रपति चुनाव के वास्ते 80 फीसदी से अधिक लोगों ने वोट दिये थे। उसी दिन शाम सात बजे से मतगणना आरंभ हुई और सोमवार को सुबह होते-होते तस्वीर साफ हो गई। उस चुनाव में 'ईबू' निक नेम से मशहूर इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की फतह हुई थी। इब्राहिम मोहम्मद सोलिह चार पार्टियों के महागठबंधन के बूते चुनाव लड़ रहे थे। मालदीव में लोकतंत्र ज्यादा नहीं, एक दशक पुराना है। 2008 में तीस साल पुरानी तानाशाही का अंत हुआ था और मोहम्मद नाशीद देश के पहले निर्वाचित राष्ट्रपति बने थे। मालदीव के चौथे राष्ट्रपति नाशीद 11 नवंबर 2008 से 7 फरवरी 2012 तक सत्ता में रहे थे। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए 2010 में मोहम्मद नाशीद की पहली भिड़ंत वहां की भ्रष्ट न्यायपालिका और पर्यटन माफिया से हुई। इसके पीछे पूर्व राष्ट्रपति गयूम थे, जिन्होंने 25 साल तक शासन किया था। मौमून अब्दुल गयूम के हुजरे से राजनीति बाहर हुई तो भारत उनका दुश्मन नंबर वन हो गया। नाशीद पर आरोप लगा कि उन्होंने 16 जनवरी 2012 को राष्ट्रपति पद पर रहते हुए क्रिमिनल कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अब्दुल्ला मोहम्मद को 22 दिनों तक एक सैनिक कैंप में हिरासत में रखा था। जज को 'बंधक' रखने से हुए बवाल पर 7 फरवरी 2012 को नाशीद ने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। दरअसल, राष्ट्रपति नाशीद पर पुलिस और सेना का दबाव बनाकर इस्तीफा लिया गया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए नाशीद को माले के भारतीय उच्चायोग में शरण लेनी पड़ी। इस हाई वोल्टेज ड्रामा के पीछे मकसद नाशीद को चुनाव लड़ने से वंचित करना था। 17 नवंबर 2013 को अब्दुल्ला यामीन चुनावी हेराफेरी कर सत्ता पर काबिज़ हो गये। सत्ता न तो वहीद हसन के पास थी, न नाशीद के पास। 2015 में जज को बंधक रखने वाले मामले को एक बार फिर अदालत में लाया गया और नाशीद को 13 साल की सज़ा हुई थी। यह कंगारू कोर्ट था, जिसके आदेश पर पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नाशीद गिरफ्तार कर लिये गये। मालदीव में इसके विरुद्ध लोग सड़कों पर उतर आये, सैकड़ों गिरफ्तारियां हुईं, जिसमें प्रतिपक्ष के नेता भी थे। 2016 में मानवाधिकार आयोग और यूरोपीय देशों के दबाव के बाद नाशीद को इलाज के वास्ते ब्रिटेन जाने की अनुमति मिल गयी। ब्रिटेन ने नाशीद को राजनीतिक शरणार्थी का दर्जा दे दिया। 2018 में वे कोलंबो आये और मालदीव में राष्ट्रपति चुनाव की रणनीति तय करने लगे। यामीन की सत्ता सितंबर 2018 में जाने के बाद राष्ट्रपति सोलिह ने सबसे पहला काम यह किया कि सुप्रीमकोर्ट में पुनर्विचार याचिका उस फैसले के विरुद्ध दायर कराई, जिसमें नाशीद को 13 साल की सज़ा 2015 में सुनाई गई थी। सुप्रीमकोर्ट द्वारा उस सज़ा को रद्द करने के पश्चात नवंबर 2018 में नाशीद का कोलंबो से मालदीव लौटने का मार्ग प्रशस्त हुआ। पांच माह में मोहम्मद नाशीद को लोग इतना समर्थन देंगे, यह मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के नेताओं ने भी नहीं सोचा था। नाशीद ने संसदीय चुनाव में भ्रष्टाचार को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया था। जीत के बाद मोहम्मद नाशीद का बयान था, 'रोलेक्स वाच और कोहिनूर के दिन लद गये।' अब मोहम्मद नाशीद का एजेंडा क्या होगा? उन्होंने सार्वजनिक बयान में यह तो कहा है कि हम देश में शांति व स्थिरता चाहेंगे। यह तो कहने की बात होती है, वास्तविकता यह है कि पिछली सरकार ने जिस तरह से देश के कुछ हिस्से को चीन के यहां गिरवी रखा है, उस पर न्यायिक जांच बहुत जल्द होने के आसार हैं। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन खुद संसदीय चुनाव नहीं लड़ें, परंतु उनकी पार्टी के जो पांच सांसद जीते, मानकर चलें कि वे मजलिस में बेअसर रहेंगे। चीन ने 'मेरीटाइम सिल्क रोड और ओबीओआर (वन बेल्ट वन रोड) इनीशिएटिव' के सपने यामीन और उनके सांसदों को दिखाये थे। चीन को मालदीव में इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना था। इस चीनी सपने की क़ीमत बढ़ते-बढ़ते तीन अरब डॉलर पार कर गई। बदले में मालदीव के सात महत्वपूर्ण द्वीप चीन ने लीज़ पर ले रखे हैं, जो एक तरह से कमर्शियल के साथ-साथ उसके सामरिक अड्डे के रूप में तबदील हो चुके हैं। चीन ने अपरोक्ष रूप से इन द्वीपों को बंधक बना रखा है। तीन अरब डॉलर का ब्याज़ बढ़ते-बढ़ते इतना हो जाएगा, जिसे चुकाना नये निजाम के लिए आसान नहीं। द्वीपों को लीज पर देने की सहमति आधी रात को संसद की आपात बैठक में ली गई थी। पूर्व राष्ट्रपति यामीन की जवाबदेही तय होती है तो उन्हें जेल से फुर्सत नहीं मिलेगी। मालदीव में इतने बड़े बदलाव की ऊर्जा निश्चित रूप से भारत से मिली है!

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नई दिल्ली संपादक हैं।

ट्वीट

साहसी

अपने लम्बे राजनीतिक जीवन में मैंने बहुधा राजनीतिक कारणों से वोट डाले हैं। लेकिन पहली बार, मैं अस्पताल के अपने डॉक्टर से विशेष अनुमति लेकर वोट डालने बाहर आया तो किसी राजनीति के तहत नहीं बल्कि उस देश के लिए, जिसकी अगुवाई नरेन्द्र मोदी जी जैसे साहसी नेता कर रहे हैं।

अमर सिंह, राजनीतिक

ज्ञान गंगा

रोग न पालें

जग्गी वासुदेव/ डिप्रेशन की वजह यह है कि आप ऐसे विचार और भावनाएं पैदा कर रहे हैं, जो आप के खिलाफ काम कर रही है, आप के लिए नहीं। ज्यादातर डिप्रेशन खुद अपने ही बनाये हुए होते हैं। बहुत कम ही लोग वास्तव में किसी रोग के कारण डिप्रेशन में होते हैं। वे कुछ नहीं कर सकते, उनका डिप्रेशन अंदर से, किसी आनुवांशिक कमज़ोरी या ऐसे ही किसी अन्य कारण से होता है। बाकी लगभग सभी लोगों को पागल किया जा सकता है क्योंकि स्थिर मानसिकता और पागलपन की सीमारेखा में अंतर बहुत ही पतला, महीन होता है। जब आप गुस्सा होते हैं, तब आप इस बीच के अंतर को कम कर देते हैं। आप किसी पर पागल नहीं होते, आप बस पागलपन की ओर जा रहे होते हैं। आप ''किसी पर पागल' नहीं हो सकते। आप बस स्थिर मानसिकता की सीमारेखा को कुछ समय के लिए लांघते हैं। फिर वापस आ जाते हैं। लेकिन आप हर दिन 10 मिनट, किसी पर जबरदस्त, तीव्र गुस्सा करेंगे तो 3 महीनों में आप डिप्रेशन के रोगी हो जाएंगे। आपको यह समझना चाहिए कि अगर एक पल के लिए भी आप बीमार होते हैं तो आप बीमार ही हैं। आपको जीवन में बीमार पड़ने पर बहुत से प्रलोभन मिलते हैं। अपने बचपन से ही आप को घरवालों का, दूसरों का अधिकतम ध्यान तभी मिलता था, जब आप बीमार होते थे। तो आपने बचपन में ही बीमार पड़ने की कला सीख ली थी, लोग आपकी तरफ ध्यान जो देते थे। लेकिन जब आप की शादी हो गई, तब से आपने मानसिक रूप से बीमार पड़ने की कला भी सीख ली है। अच्छे स्वास्थ के लिए प्रोत्साहन रखें, बीमारी के लिए नहीं। मैं कहूंगा कि दुर्भाग्यवश, धरती पर होने वाली 70न्न बीमारियां, अलग-अलग तरीकों से, हमारी खुद की बनायी हुई होती हैं। इन्फेक्शन के केस में भी, अगर आप अपने आपको शारीरिक और मानसिक रूप से, एक खास तरह से रखते हैं तो आप पर विषाणु और जीवाणु उस तरह का असर नहीं कर पायेंगे जैसे वे दूसरों पर करते हैं। जी हां, अगर आप अपने आपको ऐसे ढंग से रखें कि चाहे कुछ भी हो, मुझे बिना छुट्टी के अपने काम पर जाना है, तो यह संभव है। तो किसी बीमारी के लिए पलोभन न रखें। अगर बच्चा बीमार है तो उसे दूर से देखिए कभी भी जाकर गले लगा कर प्यार मत जताइए। उसे समझ में आएगा कि ये उसके जीवन का सबसे खराब समय है और उसे जल्दी अच्छा होना है। तो वह अच्छा हो जाएगा।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

राजनीति के आकाश में तेजस्वी सूर्या

अरुण नैथानी

भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने दक्षिणी बेंगलुरु सीट से एक 28 वर्षीय युवा वकील को अपना प्रत्याशी बनाकर हर किसी को चौंकाया है। बीजेपी के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री एच.एन. अनंत कुमार यहां से छह बार सांसद रहे हैं, जिनका पिछले साल निधन हो गया था। राज्य नेतृत्व ने इस सीट के लिए उनकी पत्नी डॉ. तेजस्विनी को उम्मीदवार बनाने का प्रस्ताव किया था। मगर टिकट तेजस्विनी के बजाय तेजस्वी सूर्या को मिला। संभवत- वे भाजपा के सबसे कम उम्र के संसदीय सीट के उम्मीदवार होंगे। संघ से जुड़े और एक हाईटैक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचान रखने वाले तेजस्वी को टिकट मिलना पार्टी कार्यकर्ताओं के लिये भी चौंकाने वाला रहा है। वैसे इस इलाके को भाजपा का गढ़ माना जाता है, जिसे वर्ष 1991 से लगातार भाजपा ने सात बार जीता है। दरअसल, युवा अधिवक्ता तेजस्वी सूर्या सामाजिक रूप से बेहद सक्रिय और प्रभावशाली वक्ता हैं। वे संघ में गतिशील रहने के अलावा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में खासे चर्चित रहे हैं और फिलहाल युवा मोर्चे के महासचिव हैं। इसके अलावा उनकी एक पहचान यह भी है कि वे बसावनगुड़ी से भाजपा विधायक रवि सुब्रह्मण्यम के भतीजे हैं। दरअसल, भाजपा के इस गढ़ में तेजस्वी पर दांव खेलने की कई वजहें हैं। जातीय समीकरणों के अलावा बेंगलुरु युवा मतदाताओं की बहुलता वाला क्षेत्र है। आईटी के इस हब में युवाओं के रुझान को देखते हुए भी तेजस्वी को प्राथमिकता मिली है। कुछ दिन पहले तक सोशल मीडिया पर वे आम युवाओं को यह बताते नजर आ रहे थे कि बेंगलुरु में सबसे अच्छी पानी-पूरी कहां मिलती है। बहरहाल, बेंगलुरु दक्षिण सीट अब एक हाईप्रोफाइल सीट में तबदील हो चुकी है। भाजपा के उम्मीदवार के मुकाबले के लिये कांग्रेस के दिग्गज नेता व राज्यसभा सदस्य बी.के. हरिप्रसाद को मैदान में उतारा गया है। कांग्रेस ने इस सीट से पिछले आम चुनाव में इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी को मैदान में उतारा था। तब अनन्त कुमार ने जहां 57 फीसदी मत हासिल किये थे वहीं नीलेकणी ने 36 फीसदी मत हासिल किये थे। दरअसल, अनन्त कुमार की छवि एक उदारवादी भाजपा नेता की रही है। जहां तक जातीय समीकरणों का सवाल है तो अनन्त कुमार की ब्राह्मण और बोकालिंगा समुदाय में गहरी पकड़ जीत का मार्ग प्रशस्त करती रही है। क्षेत्र के बाइस लाख से कुछ अधिक मतदाताओं में दोनों ही समुदायों की संख्या प्रभावी बतायी जाती है। संघ व भाजपा के मुद्दों पर मुखर रहने वाले तेजस्वी इसलिये अपनी बढ़त के प्रति आश्वस्त हैं क्योंकि दक्षिणी बेंगलुरु संसदीय क्षेत्र के जातीय समीकरणों को अपने अनुकूल मानते हैं वहीं संसदीय क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्रों में पांच में भाजपा के विधायक हैं और तीन में कांग्रेस के। दूसरी ओर पिछड़े वर्ग से आने वाले वी.के. हरिप्रसाद दलित, मुस्लिम, ईसाई मतदाताओं के भरोसे दमखम भर रहे हैं। पेशे से वकील तेजस्वी सूर्या ने बेंगलुरु के इंस्टिट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज से कानून की पढ़ाई पूरी की है। उसके बाद लंबे समय तक संघ व भाजपा के छात्र संगठनों में सक्रिय रहे। ऐसे में पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें संसदीय सीट के लिये प्रत्याशी बनाया जानान केवल भाजपा कार्यकर्ताओं के लिये चौंकाने वाला था बल्कि स्वयं तेजस्वी भी चौंके। उन्होंने सोशल मीडिया पर टिप्पणी करते हुए लिखा, 'ओएमजी, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के पीएम और सबसे बड़ी पार्टी के अध्यक्ष ने दक्षिणी बेंगलुरु सीट से मुझ जैसे 28 साल के लड़के को टिकट दिया है।' दरअसल, तेजस्वी की कामयाबी की एक वजह यह भी है कि उन्होंने प्रभावित करने वाली भाषण शैली और सशक्त संप्रेषण शैली की वजह से वरिष्ठ नेताओं में अपनी प्रभावी छवि बनायी है। ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखने वाले तेजस्वी बेहद मिलनसार छवि के व्यक्ति हैं, जिनकी छवि तेजतर्रार युवा तुर्क के रूप में जानी जाती है। तेजस्वी अनन्त कुमार को अपना पहला राजनीतिक गुरु मानते हैं। उनका मानना है कि जब मैं कालेज में था तो उन्होंने मुझे आगे बढ़ने का मौका दिया। मैंने राजनीतिक जीवन में उनसे बहुत कुछ सीखा है। दरअसल, सूर्या मूल रूप से कर्नाटक के चिकमंगलूर जिले के रहने वाले हैं। वर्तमान में सूर्या युवा मोर्चे की जिम्मेदारी के अलावा भाजपा की नेशनल सोशल मीडिया कैंपेन टीम 2019 के सदस्य भी हैं। यदि सूर्या चुनाव जीतते हैं तो वे संसद में भाजपा के सबसे युवा सांसद होंगे। वैसे तेजस्वी वर्ष 2014 के चुनाव में भी काफी सक्रिय व लोकप्रिय थे और पुणे, मुंबई व चेन्नई में कई रैलियां की थीं। सोशल मीडिया पर उनकी गहरी पकड़ उनकी लोकप्रियता को बढ़ाती है। वे आक्रामक तरीके से पार्टी नेतृत्व का समर्थन करते नजर आते हैं। वे पार्टी पर विपक्ष द्वारा किये जा रहे हमलों का अपनी ही तार्किक दृष्टि से पलटवार करने से नहीं चूकते।

स्पाइसजेट के बेड़े में शामिल होंगे 16 बोइंग 737-800 एनजी विमान

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

हवाई सेवा प्रदाता स्पाइसजेट अपने बेड़े में 16 बोइंग 737-800 एनजी विमानों को शामिल करेगी। उसने उड़ानें रद्द होने की समस्या को कम करने और अंतरराष्ट्रीय एवं घरेलू स्तर पर अपनी मौजूदगी को बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया है। सभी विमान ड्राई लीज (बिना चालक दल के विमान पट्टे पर लेने की व्यवस्था) के तहत लिए जाएंगे। स्पाइसजेट ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की इस व्यवस्था के तहत, पट्टे पर विमान देने वाली कंपनी बिना चालक दल के किसी एयरलाइन को विमान किराए पर देती है जबकि 'वेट लीज' के तहत पूरे चालक दल के साथ विमान पट्टे पर दिया जाता है। एयरलाइन ने कहा, स्पाइसजेट बिना चालक दल के विमान किराए पर लेने की व्यवस्था के तहत अपने बेड़े में 16 बोइंग 737-800 एनजी विमान शामिल करेगी। विमानों के आयात के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के पास अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के लिए आवेदन किया गया है। कंपनी ने कहा कि नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद, अगले दस दिन में स्पाइसजेट के बेड़े में विमान शामिल होने लगेंगे। स्पाइसजेट ने कहा कि इससे न सिर्फ उड़ानों के रद्द होने की समस्या को दूर किया जा सकेगा बल्कि हमें इससे अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर अपनी मौजूदगी बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा कि यह बोइंग 737 एस की पहली लॉट है, जिसे एयरलाइन अपने बेड़े में शामिल कर रही है। उन्होंने कहा, विमानन क्षमता में अचानक गिरावट से विमानन क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण माहौल बना गया है। स्पाइसजेट क्षमता को बढ़ाने और यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्पाइसजेट की ओर से यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब उड़ानों की संख्या में तेज गिरावट के चलते हवाई सफर के किराए में वृद्धि हो रही है। वित्तीय संकट में फंसी जेट एयरवेज के बेड़े के करीब 90 प्रतिशत विमान परिचालन से बाहर होने के कारण उड़ान रद्द होने की समस्या खड़ी हुई है।

किराए का भुगतान नहीं कर पाने की वजह से जेट एयरवेज विमान खड़े करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इसके अलावा, इथियोपियाई एयरलाइन विमान हादसे के बाद सुरक्षा कारणों से स्पाइसजेट को अपने 12 बोइंग 737 मैक्स विमानों को परिचालन से बाहर करना पड़ा। 10 मार्च को हुए।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि स्कीम के तहत सरकार ने बैंक खाते में भेजी 2000 रुपए की दूसरी किस्त

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि स्कीम की 2000 रुपए की दूसरी किस्त किसानों के बैंक खाते में भिजवा दी है। बैंक से उनके मोबाइल पर मैसेज आना शुरू हो गया है। हालांकि, सरकार ने एक अप्रैल को ही यह रकम भेजने का दावा किया था। चुनाव से पहले किसानों के अकाउंट में चार-चार हजार रुपए पहुंच गए। पिछले सप्ताह स्कीम के सीईओ विवेक अग्रवाल ने बताया था कि 3 करोड़ 27 हजार किसानों को दूसरी किस्त दी जाएगी। अग्रवाल के मुताबिक, 31 मार्च तक 3 करोड़ 27 हजार किसानों को पहली किस्त भेजी गई थी। जबकि रजिस्ट्रेशन 4.76 करोड़ किसानों का हुआ था। इसलिए बचे हुए लोगों को पहली किस्त भी भेजी जाएगी।÷ मोदी सरकार ने किसानों से जुड़ी अपनी सबसे अहम योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री-किसान सम्मान निधि स्कीम की दूसरी किस्त जारी करने के लिए चुनाव आयोग से अनुमति मांगी थी। आयोग ने अनुमति देते हुए कहा था कि सिर्फ उन्हीं किसानों को 2000 रुपए की अगली किस्त भेजी जाएगी जिनका रजिस्ट्रेशन आदर्श आचार संहिता (10 मार्च) लागू होने से पहले हुआ है। इस स्कीम में किसानों को नगद रकम मिल रही है, इसलिए यह शुरू से ही मोदी विरोधियों के निशाने पर रही है क्योंकि इसे आम चुनाव से ठीक पहले शुरू किया गया। पीएम नरेंद्र ने 24 फरवरी को गोरखपुर में इसकी शुरुआत की थी। 12 करोड़ किसानों को सालाना 6000-6000 रुपए देने का ऐलान हुआ। उसी दिन पूर्व वित्त मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने ट्वीट किया, आज वोट के लिए नकदी दिवस है। बीजेपी सरकार वोट के लिए अधिकारिक रूप से हर किसान परिवार को 2,000 रुपए का रिश्वत देगी। सबसे शर्मनाक यह है कि चुनाव आयोग वोट के लिए रिश्वत को रोकने में असफल है।निवर्तमान कृषि राज्य मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के मुताबिक करीब सवा सात करोड़ किसानों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है जबकि आचार संहिता लगने से पहले 4.76 करोड़ किसानों का रजिस्ट्रेशन हो चुका था।

चीन से कर्ज, आईएमएफ बैंक ने दुनियाभर के देशों को किया सावधान

वॉशिंगटन (एजेंसी) ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक ने दुनियाभर की सरकारों को कर्ज की शर्तों को लेकर अधिक पारदर्शिता बरतने के लिए कहा है। उन्होंने सरकारों को ऋण पर बहुत अधिक निर्भर होने को लेकर भी आगाह किया। उन्होंने यह बात चीन के कर्ज के विकासशील राष्ट्रों पर बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर कही। इन संस्थाओं का मानना है कि कर्ज का बढ़ता बोझ और चिंताजनक परिस्थितियां संकट के बीज बो सकते हैं। संस्थाओं की गुरुवार को हुई ग्रीष्मकालीन बैठक में विश्व बैंक के नव-नियुक्त अध्यक्ष डेविड मलपास ने चेतावनी दी कि 17 अफ्रीकी देश पहले से ही ऋण संकट का सामना कर रहे हैं और ऐसे देशों की संख्या में इजाफा हो रहा है क्योंकि कर्ज लेने के लिए पारदर्शिता नहीं बरती जा रही। आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टीन लेगार्ड ने कहा कि ऋण का उच्च स्तर और ऋणदाताओं की संख्या अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप नहीं हैं ।

और यह भविष्य में किसी देश के कर्ज लेने की कोशिशों को जटिल बना सकती है। उन्होंने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि विश्व बैंक और आईएमएफ दोनों कर्ज की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए एक साथ काम कर रहे हैं।

गूगल पे ग्राहकों के लिए लाया नई सर्विस, अब एप की मदद से खरीद और बेच सकते हैं सोना

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारतीय यूजर के लिए गूगल पे को अधिक उपयोगी बनाने के मकसद से एमएमटीसी-पीएएमपी इंडिया के साथ साझेदारी की घोषणा की, जिससे अब भारतीय यूजर एप के जरिए सोने की लिवाली और बिकवाली कर सकते हैं।एमएमटीसी-पीएएमपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त धातु व खनन सेवा प्रदाता है। कंपनी ने एक बयान में कहा, भारत की एकमात्र एलबीएमए प्रत्यायित सोने की रिफानरी के साथ साझेदारी के बाद गूगल पे के यूजर 99.99 फीसदी यानी 24 कैरट का सोना खरीद सकते हैं। साथ ही, गूगल पे यूजर किसी भी मूल्य का सोना खरीद सकते हैं, जिसे एमएमटीसी-पीएएमपी द्वारा उनकी ओर से सुरक्षित खजाने में रखा जाएगा। यूजर गूगल पे एप पर प्रदर्शित हर मिनट बदलने वाली अद्यतन कीमतों पर किसी भी समय सोना खरीद और बेच सकते हैं। गूगल पे इंडिया के निदेशक (उत्पाद प्रबंधन) अंबरीश केंघे ने कहा, ÷सोना भारतीय संस्कृति और परंपराओं में अहम स्थान रखता है। यही कारण है कि भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमने सोने की खरीदारी व बिक्री के लिए गूगल पे पर फीचर पेश किया है जिसका उपयोग लाखों भारतीय कर सकते हैं। वे जब चाहें और जहां चाहें मोबाइल फोन से सोना खरीद सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जियो ने लॉन्च किया आईपीएल धमाका, 251 रुपये में रोज पाएं 2 जीबी डाटा

नई दिल्ली । यदि आप भी उन यूजर्स में से एक हैं जो जियो के नए ऑफर का इंतजार कर रहे थे तो आपके लिए अच्छी खबर है। जियो ने 251 रुपये का एक नया 4जी प्लान लॉन्च किया है जिसमें हर रोज 2 जीबी हाई-स्पीड डाटा मिलेगा तो आइए जानते हैं जियो के इस ऑफर के बारे में कैसे आप इस सर्विस का आनंद उठा सकते हैं। बता दें कि जियो के इस पैक का नाम जियो क्रिकेट सीजन डाटा पैक है। इस पैक को खासतौर पर चल रहे टी-20 क्रिकेट के लिए लॉन्च किया गया है। जियो के इस प्लान की कीमत 251 रुपये है। इस प्लान में आपको हर रोज 2 जीबी डाटा मिलेगा। इस प्लान की वैधता 51 दिनों की होगी। ऐसे में कुल मिलाकर इस प्लान में आपको 102 जीबी डाटा मिलेगा। यह रिचार्ज जियो की वेबसाइट और माय जियो ऐप से कराया जा सकता है। इस प्लान के तहत कंपनी कई सारे अन्य ऑफर्स भी दे रही है। जैसे- लकी यूजर्स को अपनी पसंदीदा टीम के साथ सेल्फी लेने का मौका मिलेगा। इसके अलावा पसंदीदा टीम की जर्सी, टोपी और बल्ला भी मिल सकता है। इस ऑफर में आपको मैच का टिकट भी मिल सकता है।

अल्टो के10 में जुड़े कई सेफ्टी फीचर्स, 27 हजार तक बढ़ी कीमत

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी ने देशभर में अपने अल्टो के10 मॉडल की कीमत बढ़ा दी है। कम्पनी ने एआईएस-145 सेफ्टी नार्म्स के तहत सेफ्सी फीचर्स को जोड़ने के बाद इस मॉडल की कीमत में वृद्धि की है। बढ़ी हुई कीमतें गुरुवार से लागू होंगी। नए फीचर्स जुड़ने के बाद अल्टो च्10 की कीमत (दिल्ली में एक्स शोरूम) करीब 27 हजार रुपये तक बढ़ गई है। कम्पनी ने अपने बयान में कहा, अल्टो के10 अब एआईएस-145 सेफ्टी नार्म्स से लैस है। इससे इसे सभी वेरिएंट्स की कीमतों में वृद्धि की जा रही है। दिल्ली में इस मॉडल के वेरिएंट्स की कीमत 3.64 लाख रुपये से लेकर 4.44 लाख रुपये तक होंगी। कम्पनी के मुताबिक देश के बाकी शहरों में इस मॉडल के वेरिएंट्स की कीमतें 3.75 लाख रुपये से लेकर 4.54 लाख रुपये तक होंगी। नए सेफ्टी फीचर्स में ड्राइवर एअरबैग, रिवर्स पार्किं ग सेंसर, स्पीड अलर्ट सिस्टम और ड्राइवर एवं को-ड्राइवर सीट बेल्ट रीमाइंडर जोड़े गए हैं।

सुरेश प्रभु का विमानन सचिव को निर्देश, जेट एयरवेज के मुद्दों की समीक्षा करें

मुंबई । नागर विमानन मंत्री सुरेश प्रभु ने अपने मंत्रालय के सचिव प्रदीप सिंह खरोला को जेट एयरवेज से संबंधित मुद्दों की समीक्षा करने का शुक्रवार को निर्देश दिया. जेट एयरवेज इस समय 10 से भी कम विमानों का संचालन कर रहा है. प्रभु ने सुबह ट्वीट किया, नागर विमानन मंत्रालय के सचिव को जेट एयरवेज से संबंधित मुद्दों की समीक्षा करने का निर्देश दिया. यात्रियों को होने वाली असुविधा कम करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा गया है. उद्योग सूत्रों के अनुसार जेट एयरवेज शुक्रवार को केवल नौ विमानों दो बोइंग 737 और सात क्षेत्रीय जेट एटीआर का संचालन करेगा. एक सूत्र ने कहा कि जेट शुक्रवार को केवल नौ विमान का संचालन कर रहा है. नकदी की समस्या से जूझ रहे जेट एयरवेज ने गुरुवार को पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए अपनी उड़ानें बंद कर दीं. उसने एक दिन के लिए अंतरराष्ट्रीय सेवाएं भी निर्लंबित कर दी है. इसके परिणामस्वरूप कई यात्री हवाईअड्डों पर फंस गए। सूत्रों ने बताया कि केवल उड़ानें रद्द होने से एयरलाइन पर यात्रियों का 3,500 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया हो गया है. गुरुवार दोपहर तक एयरलाइन ने केवल 14 विमानों का संचालन किया. एक वक्त था जब जेट एयरवेज 123 विमानों का संचालन करता था।

जेट एयरवेज में खरीदारी के लिए नरेश गोयल भी लगा सकते हैं बोली : सूत्र

नई दिल्ली । जेट एयरवेज में हिस्सेदारी खरीदने के लिए नरेश गोयल भी बोली लगा सकते हैं. खबरों के मुताबिक अभी तक चार कंपनियों की ओर से बोलियां आई हैं. जिसमें प्राइवेट इक्विटी फंड्स टैक्सस पैसिफिक ग्रुप , नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड , इंडिगो पार्टनर्स और रेडक्लिफ कैपिटल ने जेट एयरवेज के लिए बोली लगाने में दिलचस्पी दिखाई है. बैंकों को उम्मीद है कि कनाडा एयरवेज और डेल्टा एयरलाइंस भी बोली में दिलचस्पी दिखाएंगे. एतिहाद एयरवेज की भी इच्छा बोली में शामिल होने की है. एतिहाद जेट एयरवेज का एयरलाइन में साझीदार है. एतिहाद की एयरलाइन में 24 फीसदी हिस्सेदारी थी. जबकि नरेश गोयल की शेयर होल्डिंग 51 फीसदी थी. हालांकि नरेश गोयल ने अपने 26 फीसदी शेयरों को पंजाब नेशनल बैंक को गिरवी रख दिया है. ऐसे में उम्मीद है कि शेयर गिरवी रखने के पीछे मकसद ये है कि बैंक तुरंत एयरलाइन को फंड मुहैया कराएं ताकि एयरलाइन को जिंदा रखा जा सके. इस बीच गुरुवार को जेट एयरवेज के बोर्ड की भी बैठक हो रही है जिसमें बोर्ड को एयरलाइन की मौजूदा हालत से वाकिफ कराया जाएगा।

माल्या ने प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील के लिये फिर आवेदन किया

लंदन। भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने ब्रिटेन के उच्च न्यायालय में अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील करने को लेकर फिर आवेदन किया है। माल्या की यह भारत को उसके प्रत्यर्पण के खिलाफ एक और कोशिश होगी। माल्या 9,000 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी और मनी लांड्रिंग मामले में भारत में वांछित है। किंगफिशन एयरलाइन के पूर्व प्रवर्तक माल्या, 63 वर्ष, की अपील के लिए अनुमति याचिका की पिछली कोशिश इससे पहले शुक्रवार को असफल हो चुकी है। इसके बाद माल्या के पास दोबारा संक्षिप्त सुनवाई के लिए आवेदन के नवीनीकरण के लिए 5 कार्य दिवस का समय था। न्यायालय के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, ''एक रीन्यूअल फॉर्म प्राप्त हुआ है और इसे आने वाले समय में सूचीबद्ध कर दिया जाएगा।'' ब्रिटेन के गृह मंत्री साजिद जाविद ने माल्या के प्रत्यर्पण के न्यायालय के आदेश पर फरवरी में हस्ताक्षर कर दिए थे।

महंगाई की वजह से दूध को भी तरस जाएगी पाकिस्तान की जनता! दाम हुआ 180 रुपये लीटर

बिजनेस डेस्क (एजेंसी) ।

पाकिस्तान की जनता की परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं. महंगाई की वजह से सब्जियों, पेट्रोल, डीजल आदि की ऊंची कीमत को लेकर जनता पहले से ही हलकान थी, अब वहां दूध के दाम बहुत ज्यादा बढ़ जाने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है. कराची डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन ने अचानक दूध के दाम में 23 रुपये लीटर तक बढ़त कर दी है और अब दाम 120 रुपये लीटर तक पहुंच चुका है. खुदरा बाजार में दूध 100 से 180 रुपये लीटर तक बिक रहा है. गौरतलब है कि पाकिस्तानी रुपये का वैल्यू भारतीय रुपये के मुकाबले करीब आधा ही है. महंगाई से पहले से ही त्रस्त पाकिस्तान की जनता इससे काफी गुस्से में है. पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, एसोसिएशन ने कहा कि सरकार से उसने पहले कई बार अनुरोध किया था कि दाम बढ़ाया जाए, लेकिन सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उसे खुद यह निर्णय लेना पड़ा. एसोसिएशन के एक पदाधिकारी ने कहा कि वे इस मामले में किसी दखल के लिए अधिकारियों से मिले थे, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया. चारे का दाम कई गुना बढ़ चुका है और ईंधन की कीमतें भी काफी बढ़ गई हैं. दूसरी तरफ, प्रशासन ने एसोसिएशन के इस कदम को गलत बताया है और महंगा दूध बेचने वाले खुदरा विक्रेताओं पर कार्रवाई की गई है. प्रशासन ने दूध के दाम 94 रुपये प्रति लीटर तय किया है. इसके बावजूद खुदरा विक्रेता 100 से 180 रुपये लीटर तक के रेट में दूध बेच रहे हैं. प्रशासन ने कहा कि सभी डिप्टी कमिश्नर्स से कहा गया है कि वे महंगे दामों पर दूध बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त एक्शन लें. एक दुकानदार को इस मामले में गिरफ्तार भी किया गया है गौरतलब है कि आर्थिक रूप से खस्ताहाल होते जा रहे पाकिस्तान की बदहाली बढ़ती जा रही है. पाकिस्तान में महंगाई पिछले पांच साल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है. मार्च महीने में महंगाई 9.4 फीसदी तक पहुंच गई।

अक्षय तृतीया तक गोल्ड में रह सकता है उतार-चढ़ाव

कोलकाता (एजेंसी) ।

अक्षय तृतीया से पहले गोल्ड के दाम में उतार-चढ़ाव (वोलैटिलिटी) रह सकता है। लोग समृद्धि के प्रतीक के रूप में अक्षय तृतीया पर सोना खरीदते हैं। बैंकरों और एनालिस्टों का कहना है कि 7 मई को अक्षय तृतीया तक गोल्ड प्राइस में 500 रुपए प्रति 10 ग्राम की कमी या बढ़ौतरी दिख सकती है। उन्होंने कहा कि बढ़ौतरी या गिरावट अमरीकी अर्थव्यवस्था और रुपए की हालत पर निर्भर करेगी। इस वोलैटिलिटी के बावजूद उन्हें उम्मीद है कि रूरल डिमांड पिछले साल से कुछ ज्यादा रह सकती है। उनकी दलील है कि पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना तहत किसानों को मिले 2000 रुपए और आने वाले दिनों में मिल सकने वाले और 2000 रुपए से ग्रामीण इलाकों में लोगों के पास इतना पैसा हो जाएगा कि वे सोना खरीदने बारे सोचने लगेंगे। गांवों में किसी भी दूसरी एसैट के मुकाबले गोल्ड का आकर्षण ज्यादा रहता है। स्पॉट मार्कीट में गोल्ड 32,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास था। कोटक महिंद्रा बैंक के सीनियर वाइस प्रैसीडैंट और बिजनैस हैड (ग्लोबल ट्रांजैक्शन बैंकिंग एंड प्रेशस मैटल्स) शेखर भंडारी ने कहा कि गोल्ड का दाम अमरीका में ब्याज दरों में मूवमैंट तथा अमरीकी इकोनॉमी की हालत के आधार पर चढ़ सकता है। अमरीकी इकोनॉमी में अभी थोड़ी अनिश्चितता है और इसका असर गोल्ड प्राइस पर पड़ेगा। गोल्ड प्राइस शॉर्ट टर्म में 1300-1320 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस रह सकता है। साथ ही भारत में गोल्ड का दाम डॉलर के मुकाबले रुपए की मूवमैंट पर निर्भर करेगा। लिहाजा इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए गोल्ड मौजूदा लेवल से या तो 500 रुपए प्रति 10 ग्राम चढ़ सकता है या गिर सकता है। एच.डी.एफ.सी. सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट (कमोडिटीज) तपन पटेल ने कहा कि भारत में सोने का दाम निकट भविष्य में ऊंचा रह सकता है क्योंकि अक्षय तृतीया के चलते आगे अच्छी खरीदारी हो सकती है। पटेल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के हालिया लोक लुभावन कदमों के कारण ग्रामीण इलाकों में सोने की ज्यादा डिमांड दिख सकती है। इन कदमों से किसानों की आमदनी बढ़ी है। सोने के दाम को रुपए में कमजोरी से भी सपोर्ट मिल सकता है। ब्रैग्जिट और ट्रेड वॉर के कारण ग्लोबल ग्रोथ से जुड़ी चिंता भी बुलिश फैक्टर बन सकती है जिस कारण इंटरनैशनल मार्कीट में सोना चढ़ सकता है। इससे भी भारत में सोने के भाव का नीचे जाना संभव नहीं होगा। हमारा अनुमान है कि मीडियम टर्म में सोने का दाम ऊंचा रहेगा और 32,800 रुपए पर रजिस्टैंस है। इसके ऊपर प्राइस 34,450 रुपए की ओर जा सकता है। इसे 31,500 रुपए पर दमदार सपोर्ट दिख रहा है।

गर्मियों की छुट्टियों में हवाई यात्रियों के लिए खुशखबरी, स्पाइसजेट ने किया ये बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । गर्मियों की छुट्टियों में बढ़ती यात्रियों की भीड़ और जेट एयरवेज के संकट के बाद हवाई किराया फिलहाल 40 फीसदी से अधिक बढ़ चुका है। ऐसे में गर्मियों की छुट्टियों में यात्रियों को दिक्कत हो सकती है, क्योंकि महंगे किराये के चलते बहुत से लोग टिकट बुक कराने से कतरा रहे हैं। हालांकि इस बीच विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए एक बड़ा एलान किया है, जो यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आ सकता है। कंपनी ने कहा है कि वो अगले एक हफ्ते के अंदर 16 अतिरिक्त विमानों का परिचालन करना शुरू कर देगी। इसके लिए वो बोइंग 737-800 एनजी विमानों को किराये पर ले रही है। स्पाइसजेट के इस कदम से यात्रियों की मुश्किलें कम हो जाएगी। वहीं नागर विमानन मंत्रालय और डीजीसीए को भी राहत मिलेगी। जेट एयरवेज की स्थिति बिगड़ने से अभी किराया काफी ज्यादा हो चुका है। स्पाइसजेट ने विमान नियामक डीजीसीए के पास इन 16 विमानों को अपने बेड़े में शामिल करने के लिए एनओसी का आवेदन किया है। एनओसी मिलने के बाद कंपनी 10 दिन में यह विमान देश में आने शुरू हो जाएंगे। इसके तहत कंपनी को केवल विमान मिलेंगे और क्रू की व्यवस्था स्पाइसजेट करेगी। इससे पहले डीजीसीए ने सभी एयरलाइन कंपनियों से कहा था कि वो एक तात्कालिक प्लान जमा करें, जिससे गर्मियों की छुट्टियों में यात्रियों को किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं आए।

जेट एयरवेज: संकट में घिरी जेट की ओर एतिहाद ने बढ़ाया हाथ

बिजनेस डेस्क (एजेंसी) ।

एतिहाद एयरवेज ने जेट एयरवेज में अपना हिस्सा बढ़ाने के लिए बोली दी है। सूत्रों के अनुसार, एतिहाद ने गुरुवार को एक्सपेंशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जमा कर दिया है। इससे जेट को कर्ज देने वाले बैंकों को कुछ राहत मिली, जो इसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं। जेट को अपना पूरा अंतरराष्ट्रीय कामकाज बंद करने पर मजबूर होना पड़ा है। बैंक एतिहाद को समझाने में जुटे थे कि वह मेजॉरिटी स्टेक के लिए बोली लगाए। एतिहाद के पास जेट का 24 प्रतिशत हिस्सा है और वह इससे ज्यादा शेयर नहीं खरीदना चाहती थी। मार्च में उसने बैंकों से कहा था कि वह अपना हिस्सा नहीं बढ़ाएगी। उसने कहा था कि बैंक चाहें तो उसका हिस्सा 150 रुपए प्रति शेयर के भाव पर खरीद लें। एतिहाद से पहले बुधवार को कुछ बिडर्स ने बोली जमा की थी। बोली देने की आखिरी तारीख बढ़ाकर 12 अप्रैल की गई है। गुरुवार को यह अटकल भी लगाई जा रही थी कि जेट के फॉर्मर चेयरमैन और एमडी नरेश गोयल एक विदेशी एयरलाइन के साथ मिलकर जेट को खरीदने की पेशकश कर सकते हैं। इसकी पुष्टि गोयल से नहीं की जा सकी लेकिन ऐसे किसी भी कदम से जेट अपने दो बड़े शेयरहोल्डर्स की लड़ाई का मैदान बन जाएगी। इससे यह सवाल भी उठेगा कि पिछले साल जब समस्याएं सामने आईं तो उसके बाद इन दोनों में से किसी ने भी जेट में पैसा क्यों नहीं लगाया। एतिहाद के प्रवक्ता ने कहा कि वह अटकलों पर कमेंट नहीं करेंगे। जेट ने ईमेल से भेजे गए सवालों के जवाब नहीं दिए। यह साफ नहीं है कि एतिहाद दी गई बोली में किसी के साथ पार्टनरशिप का जिक्र किया है या नहीं। वह जेट में अपना हिस्सा 49 फीसदी तक ले जा सकती है। भारतीय विमानन कंपनी में किसी विदेशी एयरलाइन की हिस्सेदारी की यही अधिकतम सीमा है। विदेशी एयरलाइन भारतीय एयरलाइन पर कंट्रोल नहीं कर सकती है। बैंकों ने टीपीजी कैपिटल और सरकारी नेशनल इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से संपर्क किया है। एनआईआईएफ को एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जमा करने की जरूरत नहीं है और वह जेट के लिए बोली सीधे लगा सकता है। ऐसा नियम बिड डॉक्युमेंट में दिया गया है। एतिहाद इस नुक्ते पर अड़ी थी कि उसे कैपिटल मार्केट्स के उस रूल से छूट दी जाए, जिसक तहत शेयरहोल्डिंग 25त्न से ज्यादा होने पर अतिरिक्त 26त्न के लिए ओपन ऑफर लाना होतता है। सेबी ने साफ कर दिया था कि ऐसी कोई छूट नहीं दी जाएगी। जेट को कर्ज देने वाले बैंकों को शुक्रवार को कुछ और बोलियां आने की उम्मीद है। उसके बाद योग्य पाए जाने वाले बिडर्स को 30 अप्रैल तक बाईडिंग बिड देनी होगी।

इस बीच, जेट ने सिंगापुर और काठमांडू के लिए फ्लाइट्स कैंसल कर दीं। अबू धाबी सहित कई अन्य विदेशी ठिकानों के लिए वह फ्लाइट पहले ही बंद कर चुकी है। उसने सेवा से 10 और विमान हटा दिए।

धोखाधड़ी केस में आरएसपी की महिला उम्मीदवार गिरफ्तार

अहमदाबाद । सूरत पुलिस ने नवसारी लोकसभा सीट से राष्ट्रवादी समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रही महिला उम्मीदवार को धोखाधड़ी के केस में गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि महिला सूरत टेक्सटाइल मार्केट में रु. 35 करोड़ की ठगी कर फरार हो गई। जानकारी के अनुसार सूरत की रघुकुल टेक्सटाइल मार्केट में हीरामणी शर्मा और निलेश नामक दो लोगों ने पार्टनरशिप में फर्म शुरू की और छोटे-छोटे व्यापारियों को टार्गेट किया। छोटे व्यापारियों से जोबवर्क कराने के बाद हीरामणी और निलेश फरार हो गए। करीब रु. 35 करोड़ की ठगी करने के बाद दुकान बंद कर हीरामणी और निलेश के फरार होने से मामला पुलिस थाने पहुंच गया। लालजी दूधात नामक व्यापारी ने सूरत के पूणा पुलिस थाने में हीरामणी शर्मा और निलेश के खिलाफ रु. 3.18 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया था। जिसके आधार पर पूणा पुलिस ने हीरामणी शर्मा को गिरफ्तार कर लिया और निलेश की तलाश शुरू कर दी। बता दें कि हीरामणी शर्मा दक्षणि गुजरात की नवसारी लोकसभा सीट से आरएसपी के टिकट चुनाव मैदान हैं। फिलहाल पुलिस ने हीरामणी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की कवायद तेज की है।

पति पर पत्नी लगाया दुष्कर्म का आरोप, कहा- प्राइवेट पार्टस पर भी वार

(जी.एन.एस) ता. 12

अहमदाबाद। गुजरात में चांदखेड़ा निवासी एक महिला वैज्ञानिक ने अपने पति पर दुष्कर्म का केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता ने कहा है कि पति ने दुष्कर्म करने की कोशिश की और जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उनके प्राइवेट पार्टस और पेट पर भी प्रहार किए।

एफआईआर में पीड़िता ने बताया है कि वर्ष 2002 में उनकी शादी हुई थी। पीड़िता के मुताबिक शादी से पहले ही उन्हें यह पता चल गया था कि उनके पति का किसी और महिला के साथ अफेयर है। इसके बावजूद उन्होंने परिवार की 'इज्जत और मान' की खातिर शादी कर ली। पीड़िता ने एफआईआर में कहा है कि शादी के बाद भी वह अलग-अलग महिलाओं के साथ संबंध में रहे। पीड़िता के मुताबिक शहर जरूर बदले लेकिन उनका रवैया नहीं बदला। महिला ने यह भी कहा कि जब भी उन्होंने इसका विरोध जताया आरोपी ने उन्हें प्रताड़ित किया। पीड़िता ने अपने ससुरालवालों पर भी आरोपी पति का साथ देने का आरोप लगाया है।

इस बीच पीड़िता ने दो बच्चों को जन्म दिया जो अब 14 और 10 साल के हैं। पीड़िता ने कहा कि बच्चों के लिए वह जुल्म सहती रहीं। ससुरालवालों की प्रताड़ना जारी रही। पीड़िता ने कहा, 'मेरे इच्छा के खिलाफ जाकर कई बार उसने (पति) मेरे साथ संबंध बनाए। उसके व्यवहार से तंग आकर मैंने उसकी मां (सास) से शिकायत की तो इसकी जानकारी मिलने के बाद उसने मुझे बुरी तरह पीटा।

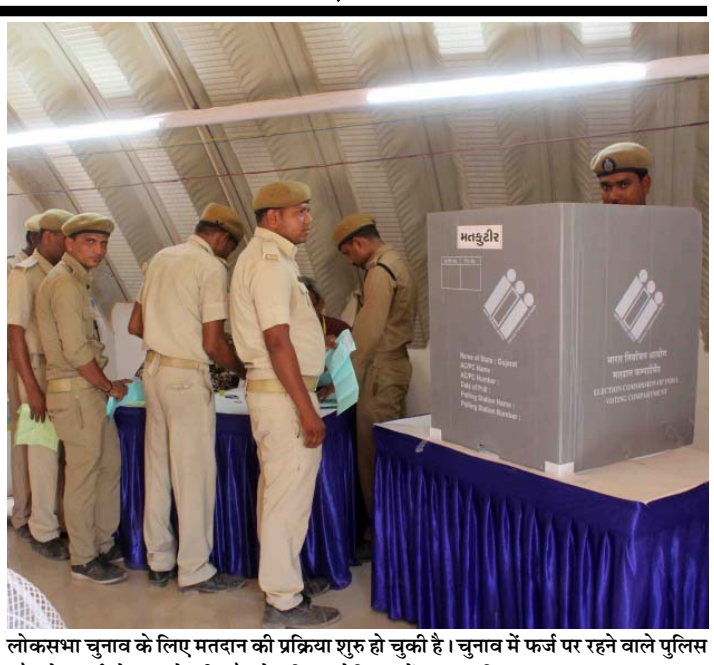

लोकसभा चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। चुनाव में फर्ज पर रहने वाले पुलिस और होमगार्ड के जवानो की और से पुलिस स्टेडियम में मतदान किया गया।

पीएम मोदी के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन शिकायत महाराष्ट्र ट्रांसफर

अहमदाबाद । गुजरात के निर्वाचन अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गई आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत महाराष्ट्र ट्रांसफर कर दी है। मामला महाराष्ट्र के लातूर का होने की वजह से इसे महाराष्ट्र के निर्वाचन अधिकारी को भेज दिया गया है। इस बारे में केन्द्रीय चुनाव आयोग को भी जानकारी दी गई है। बता दें कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया ने राज्य चुनाव आयोग से पीएम मोदी के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की थी। मोढवाडिया का आरोप है कि भाजपा और गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी 2014 में पाकिस्तान के मुद्दे पर वोट मांगे थे। इस बार ऊरी और पुलवामा हमले में शहीद हुए सेना के जवानों के नाम पर पीएम मोदी वोट मांग रहे हैं। मोढवाडिया ने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि राजनीतिक दल वोट मांगने के लिए सेना और उसके जवानों का उल्लेख नहीं करें। चुनाव आयोग के स्पष्ट दिशा निर्देशों के बावजूद पीएम मोदी एक उद्देश्य के तहत इसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसलिए पीएम मोदी क खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

मामूली घटना को लेकर बड़े ने छोटे भाई को मार डाला, आरोपी गिरफ्तार

सूरत । शहर के वराछा क्षेत्र में छांछ ढुलने जैसी मामूली घटना को लेकर बड़े भाई ने छोटे भाई को मौत के घाट उतार दिया। माता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के अनुसार भावनगर के मूलनिवासी भूपत भवानवाला परिवार के साथ सूरत के वराछा क्षेत्र की ईश्वरनगर सोसायटी में किराए पर रहते हैं। परिवार में पत्नी, दो पुत्र, एक पुत्री और एक पुत्रवधु है। दोनों बड़ा पुत्र राजु और छोटा पुत्र घनश्यान हीरा तराशने का काम करते हैं। दो दिन पहले राजु और घनश्याम रात का भोजन कर रहे थे। उस वक्त घनश्याम से छांछ ढुल गई। जिसे लेकर राजु ने घनश्याम को डांट दिया। जवाब में घनश्याम ने कहा कि तुझे कहां साफ करनी है, माता या बहन साफ कर देगी। इस जवाब से तिलमिलाए राजु ने घनश्याम से तुरंत सफाई करने को कहा। लेकिन घनश्याम के इंकार करने पर राजु ने उसे तमाचा जड़ दिया। जिसके बाद दोनों एक-दूसरे से भिड़ गए। इसी दौरान राजु ने चाकू उठाया और घनश्याम को घोंप दिया। चाकू के वार से गंभीर रूप से घायल घनश्याम को तुरंत निकट के अस्पताल ले जाया गया। जहां मौजूद डॉक्टर ने घनश्याम को मृत घोषित कर दिया। वराछा पुलिस ने माता की शिकायत के आधार पर राजु को गिरफ्तार कर जांच शुरू की है।

दोषपूर्ण नामांकन पत्र दायर करने पर एचसी ने बीजेपी विधायक का निर्वाचन किया रद्द

(जी.एन.एस) ता. 12

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने दोषपूर्ण नामांकन पत्र दायर करने के लिए द्वारका से भारतीय जनता पार्टी के विधायक पबुभा माणेक का निर्वाचन शुक्रवार को रद्द कर दिया। माणेक के विरोधी और कांग्रेस उम्मीदवार मीरामन अहीर ने उनके खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की थी। मीरामन अहीर द्वारका निर्वाचन क्षेत्र से 2017 में कांग्रेस के प्रत्याशी थे। वह बीजेपी प्रत्याशी पबुभा माणेक से चुनाव हार गए थे। चुनाव हारने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी ने माणेक की जीत को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

अहीर ने अपनी याचिका में कहा कि मानेक का निर्वाचन रद्द करना चाहिए क्योंकि उन्होंने दोषपूर्ण नामांकन पत्र भरा था। अहीर की दलीलों को मंजूर करते हुए न्यायमूर्ति परेश उपाध्याय ने दिसंबर 2017 में द्वारका सीट के लिए हुए चुनाव को शुक्रवार को रद्द कर दिया।

अहीर ने अपने आप को विजेता घोषित करने की मांग भी की लेकिन हाई कोर्ट ने इस अनुरोध को नहीं माना और केवल निर्वाचन रद्द करने का आदेश दिया। अपनी याचिका में अहीर ने दावा किया कि मानेक अपने पर्चे में निर्वाचन क्षेत्र का नाम लिखना भूल गए। इस चूक के लिए उनका चुनाव रद्द करने की मांग की जाती है।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने अमरेली लोकसभा सीट के तहत जाफराबाद विधानसभा में आयोजित सभा में भाग लिया। रुपाणी का मंच पर विशेषरुप से सम्मान किया गया।

२०३० तक भारत तीसरी बड़ी आर्थिक सत्ता

वीर सैनिक आतंकियों की लाश नहीं गिनते : राजनाथ

राफेल की नई परिभाषा राफेल यानी राहुल फैल बन चुकी है : गांधीधाम में राजनाथ सिंह ने जनसभा की

अहमदाबाद । केन्द्रिय गृहमंत्री राजनाथ सिंह लोकसभा चुनाव के तहत आज प्रचार के लिए गुजरात पहुंचे राजनाथ सिंह ने भी अपने अनोखे अंदाज में चुनाव प्रचार किया और मोदी सरकार की सिद्धिओं की जानकारी दी। दुसरी और राज नाथसिंह ने सरकार की ओर से किये गए कड़े फैसले के बारे में भी जानकारी दी। राजनाथ सिंह ने दावा किया कि देश में जब जब भी कांग्रेस की सरकार बनी है तब तब महंगाई भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि २०१४ से पहले दुनिया के बड़े अर्थतंत्रो में भारत का स्थान नौवा था। प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी ने सत्ता संभालने के बाद थोडे ही समय मे भारत ने आर्थिक क्षेत्र में भी एक से बड़ी एक सफलता हांसिल की है। जिसके चलते भारत दुनिया के बड़े अर्थतंत्रो में अब नौवे स्थान से जम्प लगाकर छठे स्थान पर पहुंच चुका है। २०३० तक भारत अमेरिका, रशिया और चीन में से किसी एक को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीन सबसे बड़ी आर्थिक ताकत के रुप में उभरकर आएंगा। राजनाथसिंह ने यह भी कहा कि मोदी की सरकार ने साबित किया है कि योग्य नीति और नियत के साथ काम करने से देश आगे बढ़ता है। सिर्फ बाते करने से देश आगे नहीं बढता है। राजनाथ सिंह ने राफेल की नई परिभाषा भी दी। उन्होंने कहा कि राफेल की नई परिभाषा है राफेल यानी राहुल फैल। सुरक्षा के मुद्दे पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के वीर सैनिक आतंकवादियों की लाशे गिनने के लिए रुकते नहीं है किन्तु दुश्मनों को मार कर आगे बढ़ते है। देश की सेना के जवानो ने जो शौर्य और पराक्रम दिखाया है उस पर प्रश्न उठानेवाली कांग्रेस के लोगों को जनता कभी भी माफ नहीं करेगी।

राजनाथसिंह ने यह भी कहा कि मोदी की सरकार ने साबित किया है कि योग्य नीति और नियत के साथ काम करने से देश आगे बढ़ता है। सिर्फ बाते करने से देश आगे नहीं बढता है। उन्होंने यह भी कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने जल, फल और नभ में सेना की क्षमता में उल्लेखनिय बढौतरी की है। उन्होंने ने बताया कि आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के आरक्षित लोगों को १० फिसदी रिजर्वेशन देकर न्याय किया गया है। राजनाथ सिंह ने आज कच्छ लोकसभा के तहत गांधीधाम में जनसभा को संबोधित किया। राजनाथ सिंह ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वे २०१४ में भी कच्छ में एक जनसभा के लिए जाए थे। आज एकबार फिर कच्छ आए हैं। उन्होंने कहा कि कच्छ की जनता शासन में रहे लोगों को देख रही है। इसके अलावा सिर्फ बाते करने वाले लोगों को भी देख रही है। जहां तक गुजरात की बात है तो इन दिनों सिर्फ देश की ही नहीं पुरी दुनिया की नजर गुजरात पर केन्द्रित है। महात्मा गांधी हो, स्वामी सरस्वति हो, सरदार वल्लभभाई पटेल हो या अन्य महापुरुष हो सभी ने गुज रात की पवित्र धरती पर जन्म लिया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जवाहरलाल नहेरु ने कश्मीर की समस्या को हल करने के लिए जिम्मेदारी सरदार वल्लभभाई पटेल को सौप दी होती तो उसी समय कश्मीर समस्या का हल भी निकल आता। आज यह समस्या खड़ी न होती किन्तु पहले की भुल के कारण आज कश्मीर की बड़ी समस्या खड़ी है। भारत में दो प्रधानमंत्री होने की बात कांग्रेस और उसके साथी दल कर रहे हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण बात है। कलम ३७० और कलम ३५ए को रद्द किए बिना मोदी सरकार के पास दुसरा कोई विकल्प नहीं है।

पक्षविरोधी गतिविधि के चलते फैसला

बिहार के सहप्रभारी पद से अल्पेश को दुर किया गया

अहमदाबाद । कांग्रेस पार्टी से अपना नाता तोड चुके अल्पेश ठाकोर को आज बिहार के सहप्रभारी पद से कांग्रेस ने दुर कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक पक्ष विरोधी गतिविधियों के चलते अल्पेश ठाकोर को अब कांग्रेस की ओर से सस्पेन्ड किये जाने की संभावना दिख रही है। अपक्ष उम्मीदवार के प्रचार के लिए पहुंचे अल्पेश ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर आक्षेपबाजी की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के अंदर किसी की भी नही सुनी जाती है। कांग्रेस पार्टी को जीत दिलाने में ठाकोर समाज की बड़ी भूमिका रही थी किन्तु गुजरात विधानसभा के चुनाव के बाद ठाकोर समाज की अनदेखी की गई। दो दिन पहले ही अल्पेश ने पत्रकार परिषद में समाज के नाम पर सभी पदो से कांग्रेस पार्टी में से स्तीफा दे दिया था। बनासकांठा के दियोदर इलाके में अपक्ष उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार करते हुए अल्पेश दिखाई दिये जिसके चलते कांग्रेस पार्टी ने अनुशासन विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कड़े फैसले लिये है। प्रदेश नेतागीरी हाइकमान्ड को विश्वास में लेकर अल्पेश ठाकोर को सस्पेन्ड कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक अल्पेश ठाकोर को बिहार के सहप्रभारी के पद से अभी दुर किया गया है। अल्पेश ठाकोर के स्थान पर बिहार के सहप्रभारी के तौर पर अजय कपूर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अल्पेश ने कांग्रेस पार्टी पर आक्षेप करते हुए हालही में कहा था कि अब कांग्रेस पार्टी की ओर से किये गए विश्वासघात के बदले में ताकत बताने का समय आ गया है। संघर्ष के वक्त कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। बहुत सी सीटो पर क्रांति की थी। ८० फिसदी से अधिक मतदान एकतरफी कराया था। साल २०१७ के चुनाव के बाद उनको नजरअंदाज किया गया है। नियम बताने लगे। खराब व्यवहार किया गया। उन्होंने क्यां भुल की यह बात समझ में नहीं आ रही थी। टिकट वितरण में भी सोदेबाजी की गई थी। बहुत से कारणो के चलते आखिरकार कांग्रेस के साथ नाता तोड़ लिया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**